

उत्तरांचल शासन

आवकारी अनुभाग

संख्या- 346/XXIII /04/150/ 2002-टी0सी0
देहरादून : दिनांक = 02 मार्च, 2006

अधिसूचना

प्रकीर्ण

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके और इस विषय पर समस्त विद्यमान नियमों और आदेशों का अधिकमन करके राज्यपाल महोदय, उत्तरांचल सहायक आवकारी आयुक्त सेवा में भर्ती और उसमें नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तरांचल सहायक आवकारी आयुक्त सेवा नियमावली, 2006

भाग- एक- सामान्य

1- संक्षिप्त नाम
और प्रारम्भ

- 1- (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तरांचल सहायक आवकारी आयुक्त सेवा नियमावली, 2006 है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

2- सेवा की प्राप्ति

- 2- उत्तरांचल सहायक आवकारी आयुक्त सेवा एक राज्य सेवा है, जिसमें रागूह "ख" के पद समाविष्ट हैं।

3- परिभाषाएँ

- 3- जब तक विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में :-
(क) "नियुक्त प्राधिकारी" से राज्यपाल अभिप्रेत है ;
(ख) "भारत का नागरिक" ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो संविधान के भाग-दो के अधीन भारत का नागरिक हो या समझा जाय ;
(ग) "संविधान" से भारत का अभिप्रेत है;
(घ) "सरकार" से उत्तरांचल की राज्य सरकार अभिप्रेत है;
(ङ) "राज्यपाल" से उत्तरांचल का राज्यपाल अभिप्रेत है;
(च) "सेवा का सदस्य" से सेवा के संदर्भ में किसी पद पर इस नियमावली या इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पूर्व

प्रदत्त नियमों का आदेशों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;

(घ) "सेवा" का तात्पर्य उत्तरांचल सहायक आबकारी आयुक्त सेवा से है;

(ज) "मौलिक नियुक्ति" से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात की गयी हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा जारी किए गए कार्य पालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गयी हो;

(झ) "भर्ती का वर्ष" का तात्पर्य कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि से है।

भाग—दो — संवर्ग

- 4— सेवा का संवर्ग — 4— (1) सेवा की सदस्य संख्या उतनी होगी, जितनी सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय।
- (2) सेवा की सदस्य संख्या जब तक कि उप नियम (1) के अधीन उसमें परिवर्तन करने के आदेश न दिये जायें, निम्नलिखित होगी :-

पद का नाम	पदों की संख्या	
	स्थायी	अस्थायी
सहायक आबकारी आयुक्त	14	09

परन्तु -

- (i) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए छोड़ सकता है या राज्यपाल उसे आस्थायित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा, या
- (ii) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

भाग—तीन—भर्ती

- 5— भर्ती का स्त्रोत 5— (1) सेवा में पदों पर भर्ती मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे स्थायी

प्रयुक्त नियमों या आदेशों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;

- (छ) "सेवा" का तात्पर्य उत्तरांचल सहायक आबकारी आयुक्त सेवा से है;
- (ज) "मौलिक नियुक्ति" से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार ध्यान के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा जारी किए गए कार्य पालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गयी हो;
- (झ) "भर्ती का वर्ष" का तात्पर्य कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि से है।

भाग- दो - संवर्ग

- 4- सेवा का संवर्ग - 4- (1) सेवा की सदस्य संख्या उतनी होगी, जितनी सरकार द्वारा समय- समय पर अवधारित की जाय।
- (2) सेवा की सदस्य संख्या जब तक कि उप नियम (1) के अधीन उसमें परिवर्तन करने के आदेश न दिये जायें, निम्नलिखित होगी :-

पद का नाम	पदों की संख्या	
	स्थायी	अस्थायी
सहायक आबकारी आयुक्त	14	09

परन्तु -

- (i) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए छोड़ सकता है या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा, या
- (ii) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

भाग-तीन-भर्ती

- 5- भर्ती का स्त्रोत 5- (1) सेवा में पदों पर भर्ती मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे स्थायी

आवकारी निरीक्षकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 15 वर्ष की सेवा (जिसमें अस्थायी सेवा भी सम्मिलित है) पूरी कर ली हो, पदोन्नति द्वारा की जायेगी।

परन्तु यदि भर्ती के किसी वर्ष में पदोन्नति के लिए पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो पात्रता के क्षेत्र में ऐसे मौलिक रूप से नियुक्त आवकारी निरीक्षकों, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को उस रूप में 08 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, सम्मिलित करके विस्तार किया जा सकता है।

6- आरक्षण

6-

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकारी आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

भाग -4

भर्ती की प्रक्रिया

7- रिक्तियों की
अवधारणा

7-

नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा।

8- भर्ती
की प्रक्रिया

8-

(1)

सहायक आवकारी आयुक्त के पद पर भर्ती अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर, एक चयन समिति के माध्यम से की जायेगी जिसका गठन निम्नप्रकार से किया जायेगा :-

- (1) सचिव, आवकारी, उत्तरांचल शासन — अध्यक्ष
- (2) प्रमुख सचिव/ सचिव, कार्मिक, उत्तरांचल शासन द्वारा नामित एक अधिकारी जो संयुक्त सचिव स्तर से अनिम्न हो, और — सदस्य

- (2) नियुक्त प्राधिकारी ज्येष्ठता क्रम में अभ्यर्थियों की एक पात्रता सूची तैयार करेगा और उसे उनकी चरित्र पत्रियाँ और उनसे सम्बन्धित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ जो उचित समझे जायें, चयन समिति के समक्ष रखेगा।
- (3) चयन समिति उप नियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार करेगी और यदि आवश्यक समझे तो वह अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी कर सकती है।
- (4) चयन समिति चयन किये गये अभ्यर्थियों की, ज्येष्ठता क्रम में एक पात्रता सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

भाग- पांच

नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

- | | | |
|-------------|-----|---|
| 9- नियुक्ति | 9- | मौलिक शक्तियाँ होने पर नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की नियुक्ति उसी क्रम में करेगा जिसमें उनके नाम, नियम 8 के अधीन तैयार की गई सूची में हों। |
| 10- परीक्षा | 10- | <p>(1) सेवा में किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाएगा।</p> <p>(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किये जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाएगा जब तक अवधि बढ़ायी जाय :</p> <p>परन्तु आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय, परीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में</p> |

- (3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या सन्तोष प्रदान करने में विफल रहा है तो उसे उसके मौलिक पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है।
- (4) उपनियम (3) के अधीन जिस परिवीक्षाधीन व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाय वह किसी प्रतिकर का हकदार न होगा।
- (5) नियुक्ति प्राधिकारी संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप से की गयी निरन्तर सेवा को परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजनार्थ गिने जाने की अनुमति दे सकता है।

11- स्थायीकरण

11-

- (1) किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा के अन्त में उसकी नियुक्ति में स्थायी कर दिया जाएगा, यदि -
- (क) उसका कार्य एवं आचरण संतोषजनक बताया जाए,
 - (ख) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर दी जाय, और
 - (ग) नियुक्ति प्राधिकारी को यह समाधान हो जाए कि वह स्थायीकरण के लिए अन्यथा उपयुक्त है।
- (2) जहां उत्तरांचल राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली, 2002 के उपबन्धों के अनुसार स्थायीकरण आवश्यक नहीं है, वहां उस नियमावली के नियम 5 के उपनियम (3) के अधीन यह घोषणा करते हुए आदेश कि सम्बन्धित व्यक्ति ने परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, स्थायीकरण का आदेश समझा जाएगा।

12- ज्येष्ठता

12-

किसी श्रेणी के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों की ज्येष्ठता समय-समय पर यथा संशोधित उत्तरांचल सरकारी सेवक ज्येष्ठता

नियमावली, 2002 के प्राविधानों के अनुरूप अवधारित की जायेगी।

भाग-छः- वेतन इत्यादि

- | | | | |
|---------|------|-----|---|
| 13-वेतन | 13 - | (1) | सेवा में किसी पद पर, चाहे मौलिक या स्थानापन्न रूप में हो, नियुक्त व्यक्तियों का अनुमन्य वेतनमान ऐसा होगा, जैसा सरकार द्वारा समय- समय पर अवधारित किया जाय। |
| | | (2) | इस नियमावली के प्रारम्भ के समय सहायक आवकारी आयुक्त का वेतनमान रु0 8000-275-13600 है। |

भाग- सात - अन्य उपबन्ध

- | | | |
|-----------------|-----|--|
| 14- पक्ष समर्थन | 14- | सेवा या पद के सम्बन्ध में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित सिफारिश से भिन्न किसी अन्य सिफारिश पर चाहे लिखित हो या मौखिक विचार नहीं किया जाएगा। किसी अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनर्ह कर देगा। |
|-----------------|-----|--|

15- अन्य विषयों का विनियमन

ऐसे विषयों के सम्बन्ध में जो विनिर्दिष्ट रूप से इस नियमावली या विशेष आदेशों के अन्तर्गत न आते हों, सेवा में नियुक्त व्यक्ति ऐसे नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा नियंत्रित होंगे, जो राज्य के कार्य-कलाप के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू होते।

16- सेवा की शर्तों में
शिथिलता

जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाय कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों को विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है, वहाँ वह उस मामले में लागू होने वाले नियमों में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा, उस नियम की अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे, अभिमुक्ति या उसे शिथिल कर सकती है,

17- व्यावृत्ति

इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों की अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित हो।

(नवीन चन्द्र शर्मा)

सचिव।

संख्या-346/XXIII/04/150/2002-टी0सी0 तददिनांकित।

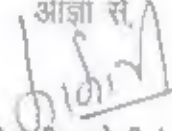
प्रतिलिपि निदेशक मुद्रण एवं लेखन सामग्री राजकीय मुद्रणालय, रुड़की, जनपद-हरिद्वार को नियमावली की हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रतियाँ इस आशय से संलग्न कर प्रेषित कि कृपया नियमावली का प्रकाशन असाधारण गजट के दिनांक: मार्च, 2006 के विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-क में मुद्रित कराते हुए इसकी 100 प्रतियाँ सचिव, आबकारी विभाग, उत्तरांचल शासन, राजपुर रोड देहरादून तथा 250 प्रतियाँ आबकारी आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से
(जी0 बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।

संख्या- 3५६ /XXIII /04/150/ 2002-टी०सी० तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तरांचल शासन।
2. आबकारी आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
3. निदेशक, एन० आई०सी०, देहरादून।
4. गार्ड बुक।

आज्ञा से

(जी० बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification No. 346/XXIII/04/150/2002-T.C. Dated; 02 March, 2006 for general information.

Government of Uttaranchal
Excise Department
No. / XXIII/ 2004/ 150/ 2002 –T.C.
Dehradun: Dated: March, 2006
Notification

Miscellaneous

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution and in suppression of all existing rules and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following rules regulating recruitment and the conditions of service of persons appointed to the Uttaranchal Assistant Commissioners Service:

**THE UTTARANCHAL ASSISTANT EXCISE
COMMISSIONER SERVICE RULES, 2006**

Part I- General

Short title
and Commencement

- 1- (i) These Rules may be called " The
Uttaranchal Assistant Excise
Commissioner Service Rules, 2006.
(ii) They shall come into force at once.

Commissioner Service is a State Service comprising Group "B" posts

3. Definitions-

3- In these rules unless there is anything repugnant in the subject or context

- (a) "appointing authority" means the Governor;
- (b) "Citizen of India" means a person who is or is deemed to be a citizen of India under Part II of the constitution;
- (c) "Constitution" means the Constitution of India;
- (d) "Government" means the State Government of Uttaranchal.
- (e) "Governor" means the Governor of Uttaranchal;
- (f) "Member of service" means a person substantively appointed under these rules or the rules or orders in force prior to the commencement of these rules to a post in the cadre of the service;
- (g) "Service" means the Uttaranchal Assistant Excise Commissioner Service;
- (h) "Substantive appointment" means an appointment, not being an adhoc appointment, on a post in the cadre of the Service, made after selection in accordance with the rules and if there

are no rules, in accordance with the procedure prescribed for the time being by executive instructions issued by the Government;

- (i) "Year of recruitment" means a period of twelve months commencing for the 1st day of July of a calendar year.

Part II- Cadre

4. Cadre of Service 4- (1) the strength of the Service shall be such as may be determined by the Government from time to time.
- (2) The strength of the Service shall, until orders varying the same are passed under sub rule (1) be as follows:-

Name of the post	Number of post	
	Permanent	Temporary
Assistant Excise Commissioner]	14	09

Provided that:-

- (i) the appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post without thereby entitling any person to compensation;
- (ii) the Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

Part – III- Recruitment

Source of Recruitment

Recruitment to the post in the service shall be made by promotion from amongst such substantively appointed Ex-cise Inspectors who have completed fifteen years of service (Include temporary service), as such, on the first day of the year of recruitment.

Provided that if in any year of recruitment sufficient number of candidates are not available for the promotion, the field of eligibility may be extended to included such substantively appointed Ex-cise Inspectors who have completed eight years service as such, on the first day of recruitment year.

6. Reservation-

- 6- Reservation for the candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories shall be in accordance with the orders of the Government in force at the time of recruitment

Part – IV-Procedure for recruitment

7. Determination of vacancies

- 7 the appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to

Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories under rule 6.

8 Procedure for Recruitment

8- (1) Recruitment by promotion to the post of Assistant Excise Commissioner shall be made on the basis of seniority subject to the rejection of unfit through the selection Committee which shall be constituted as follows :-

- (1) Secretary, to the Government in
Excise Department - Chairman
- (2) An officer not below the rank
of Joint Secretary to be nominated
by the Principal Secretary/ Secretary
to the Government in Personnel
Department, and - Member
- (3) The Excise Commissioner
Lttaranchal - Member

(2) the appointing authority, shall prepare an eligibility lists of the candidates arranged in order of seniority and place it before the selection committee along with their character rolls and such other records, pertaining to them, as may be considered proper.

(3) the selection Committee shall consider the cases of candidates on the basis of

if it considers necessary, it may interview the Candidates also.

- (4) the Selection Committee shall prepare a list of selected candidates, arranged in order of seniority, and forwarded the same to the appointing authority.

Part V-

Appointment, Probation, Confirmation and Seniority.

9 Appointment-

- 9- On the occurrence of substantive Vacancies, the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidates in the order in which they stand in the lists prepared under rules 8;

10 Probation

- 10 - (1) A person substantively appointed to a post of Assistant Excise Commissioner shall be placed on probation for a period of two years.

- (2) The appointing authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases specifying the date up to which the extension is granted.

Provided that save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be

extended beyond one year and in no circumstance beyond two years.

- (3) If it appears to the appointing authority at any time during or at the end of the period of probation or extended period of probation that a probationer has not made sufficient use of his opportunities or has otherwise failed to give satisfaction, he may be reverted to his substantive post.
- (4) A probationer who is reverted under sub-rule (3) shall not be entitled to any compensation.
- (5) The appointing authority may allow continuous service rendered in an officiating or temporary capacity in a post included in the cadre or any other equivalent or higher post, to be taken into account for the purpose of computing the period of probation.

11. Confirmation-

- 11- (1) A probationer shall be confirmed in this appointment at the end of the period of probation or the extended period of probation if-
 - (i) his work and conduct is reported to be satisfactory;

- (ii) his integrity is certified ; and
 - (iii) the appointing authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.
- (2) where, in accordance with the provisions of the Uttaranchal State Government Servant's confirmation rules, 2002, confirmation is not necessary, the order under sub- rule (3) of rule 5 of these rules declaring that the person concerned has successfully competed the probation shall be deemed to be the order of confirmation.

12. Seniority	12-	The seniority of persons substantively appointed in any category of the posts shall be determined in accordance with the Uttaranchal Government servant's seniority rules, 2002 as amended time to time;
---------------	-----	--

Part VI- pay etc.

13. Scale of pay-	13- (1)	The scale of pay admissible to person appointed on the post in the service, whether in a substantive or officiating capacity, shall be such as
-------------------	---------	--

may be determined by the Government from time to time;

- (2) The scale of the pay of Assistant Excise Commissioner at the time of commencement of these rules is Rs. 8000- 275-13500.

Part VII- Other provisions

14. Canvassing

14-

No recommendations, either written or oral, other than those required under the rules applicable to the post or service will be taken in to consideration. Any attempt on the part of a candidate to enlist support directly and indirectly for his candidature will disqualify him for appointment.

15. Regulation of other matters

15-

In regard to the matters not specifically covered by these rules or special orders persons appointed to the service shall be governed by rules, regulations and orders applicable generally to Government servants serving in connection with the affairs of the State.

16. Relaxation from the conditions

rule regulating the conditions of service of person appointed to the service causes undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner;

Provided that where a rule has been framed in consultation with commission that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed.

17. Savings

17-

Nothing in these rules shall affect reservation or any other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

By order,


(Navin Chandra Sharma)
Sachiv.